लाभ-हानि

★ क्रय मूल्य :- वह मूल्य जिस पर कोई वस्तु खरीदी जाती है, क्रयमूल्य कहलाता है।

★ विक्रय मूल्य :→ वह मूल्य जिस पर कोई वस्तु बेची जाती है, विक्रय मूल्य कहलाता है।

★ अंकित मूल्य :→ वह मूल्य जो किसी वस्तु या उस के पैकेट पर अंकित रहता है, अंकित मूल्य कहलाता है।

★ लाभ (Profit) :→ जब किसी वस्तु का विक्रय मूल्य, क्रय मूल्य से अधिक होता है। इस स्थिति में क्रेता को लाभ होता है।

विक्रय मूल्य − क्रय मूल्य = लाभ

★ हानि (Loss) :→ जब किसी वस्तु का वि०मू० क्र०मू० से कम होता है, तब इस स्थिति में क्रेता को हानि होती है।

★ उपरिव्यय :→ वह व्यय जो किसी व्यापारी को किसी वस्तु के क्रय मूल्य के अतिरिक्त वहन करना पड़ता है, उपरिव्यय कहलाता है।

→ उपरिव्यय को लागत तथा क्र०मू० में जोड़ दिया जाता है।

★ बट्टा (Discount) :→ किसी वस्तु के अंकित मूल्य पर जो छूट दी जाती है उसे बट्टा कहते हैं।

SMC Education- Reetexam.in

क्रमिक बट्टा (Successive Discount) :→ जब किसी वस्तु के अंकित मूल्य पर r_1% बट्टा दिया गया है तथा शेष राशि पर r_2% बट्टा तथा शेष राशि पर r_3% बट्टा पुनः दिया जाता है तो इन r_1%, r_2% व r_3% को क्रमिक बट्टा कहते हैं।

⇒ लाभ-हानि ज्ञात करने के प्रमुख सूत्र :→

1. क्रय मूल्य = विक्रय मूल्य − लाभ
2. क्रय मूल्य = विक्रय मूल्य + हानि
3. विक्रय मूल्य = क्रय मूल्य + लाभ
4. विक्रय मूल्य = क्रय मूल्य − हानि
5. लाभ = विक्रय मूल्य − क्रय मूल्य
6. हानि = क्रय मूल्य − विक्रय मूल्य
7. लाभ % = $\frac{\text{लाभ} \times 100}{\text{क्रय मूल्य}}$
8. हानि % = $\frac{\text{हानि} \times 100}{\text{क्रय मूल्य}}$

⇒ लाभ और हानि % हमेशा क्रय मूल्य पर निकाला जाता है।

⇒ एक दुकानदार किसी वस्तु को 400 रु में खरीदता है और 480 रु में बेच देता है तो लाभ प्रतिशत ज्ञात कीजिए

क्र०मू० = 400 वि०मू० = 480

लाभ = 480 − 400 = 80 रु

लाभ % = $\frac{80 \times 100}{400} = \frac{80}{4} = 20\%$

SMC Education-Reetexam.in